कार्यालय मुख्य अग्निशमन अधिकारी, जनपद देहरादून।

ईमेल–cfoddn.ukfs@gmail.com

पत्राकः न–20/असुव्य (29)/2025 दिनांकः जनवरी 25, 2025

सेवा में,

प्रधानाचार्य/प्रबन्धक
DELHI PUBLIC SCHOOL
RANIPOKHRI, RISHIKESH
जनपद–देहरादून।

सन्दर्भः– शैक्षणिक भवन में अग्निशमन सुरक्षा सम्बन्धी अनापत्ति प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के सम्बन्ध में।

आपके प्रार्थना पत्र यूआईडी नं0–53212502 दिनांक 11.01.2025 के द्वारा DELHI PUBLIC SCHOOL, RANIPOKHRI, RISHIKESH, जनपद देहरादून की अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण प्रभारी/अग्निशमन अधिकारी ऋषिकेश द्वारा किया गया। प्रभारी/अग्निशमन अधिकारी ऋषिकेश की निरीक्षण आख्या दिनांक 18.01.2025 के अनुसार स्थापित अग्निशमन यंत्र कार्यशील दशा में है। उपकरणों का निर्धारित परीक्षण शुल्क राजकोष में जमा करा दिया गया है।

निर्देशित किया **जाता है कि अग्निशमन उपकरणों को सदैव कार्यशील दशा में रखेगे। शैक्षणिक भवन के विस्तार/अतिरिक्त किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन किया जाता है तो अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र नये सिरे से लिया जाना अनिवार्य है, साथ ही अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त संस्थान को प्रत्येक 06 माह में भवन अथवा परिसर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था एवं उपकरणों की स्थिति संतोषजनक एवं कार्यशील होने का स्व–घोषणा पत्र/Self Audit Report इस कार्यालय को ऑन लाईन/ऑफ लाईन माध्यम से प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।**

अतः DELHI PUBLIC SCHOOL, RANIPOKHRI, RISHIKESH, जनपद देहरादून को अग्निशमन सुरक्षा सम्बन्धी अनापत्ति प्रमाण पत्र 03 वर्ष हेतु दिनांक 25 जनवरी 2025 से 24 जनवरी 2028 तक इस आधार पर प्रदान किया जाता है कि निम्न शर्तो का पालन किया जाना आवश्यक होगाः–

1. प्रश्नगत शैक्षणिक भवन (भूतल एवं अग्रेत्तर दो तल) में निर्मित है। यदि स्वीकृत मानचित्र के अतिरिक्त अन्य प्रयोजन (हॉस्पिटल/नर्सिंग होम/होटल/गेस्ट हाउस आदि) हेतु किया जाता है तो अग्निशमन सुरक्षा सम्बन्धी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रभावी नही रहेगा और स्वतः ही अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त समझा जाएगा।
2. प्रश्नगत भवन के प्रथम तल का क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर से अधिक है, जबकि भवन में एक सीढ़ी का प्राविधान किया गया है। भवन निर्माण एवं विकास उपविधि/विनियम–2011 (यथा संशोधित) CHAPTER-VI (6.2 फायर एस्केप या वाह्य जीना) के अनुसार 500 वर्गमीटर से अधिक हो में न्यूनतम दो जीने होगे जो घिरे हुऐ होगे। जिसमें से एक जीना भवन के बाहरी दिवार पर बना हो, **जिसे** आपातकालीन स्थिति में निकास मार्ग (EXIT) के रुप में कराया जाए, **जो कि** खुले स्थान पर खुलते हो। भवन के प्रत्येक तल में ट्रैवल्स डिसटेन्स एवं कवर्ड एरिया के हिसाब से अतिरिक्त जीने का **प्राविधान 30 दिवस** (01 माह) के **भीतर** करवाकर इस **कार्यालय को अवगत कराना आवश्यक होगा, अन्यथा अग्निशमन** सुरक्षा **सम्बन्धी** अनापत्ति **प्रमाण पत्र** प्रभावी **नही रहेगा** और **स्वतः ही** अनापत्ति प्रमाण **पत्र निरस्त समझा** जाएगा।
3. प्रश्नगत भवन में फायर एण्ड लाईफ सेफ्टी के दृष्टिगत फायर पम्प हाउस की इलैक्ट्रिक सप्लाई के लिए सेपरेट फिडर का प्रयोग करना अनिवार्य है, यदि अग्निकाण्ड की घटना घ्रटित होने पर पम्प हाउस की इलैक्ट्रिक की सप्लाई नहीं मिलती है तो सम्पूर्ण दायित्व स्वामी/प्रबन्धक का होगा।
4. प्रश्नगत भवन के सैट बैक में स्थाई व अस्थाई निर्माण कर अग्निशमन एवं रेस्क्यू कार्य बाधित किये जाने एवं सेफ्टी मानको में परिवर्तन किये जाने पर प्रदत्त अनापत्ति प्रमाण पत्र स्वतः निरस्त माना जायेगा।
5. इस अनापत्ति प्रमाण पत्र का उपयोग अवैध निर्माण को नियमित करने के लिए नहीं किया जा सकता।
6. सभी बाहर निकलने या बचाव के रास्ते, सैट बैक तथा सीढ़ियॉ सदैव अवरोध मुक्त रखी जाए। इमरजेन्सी साईन एक्जिट, पावर बैक अप साथ रहेगी।
7. प्रश्नगत भवन में कार्यरत/अध्ययनरत सभी कर्मचारियों/विद्यार्थियों को उपलब्ध अग्निशमन यंत्रों के संचालन तथा सुरक्षित निष्क्रमण प्रक्रिया (Evacuation) का ज्ञान होना आवश्यक हैं। समय–समय पर स्थापित अग्निशमन उपकरणों/यंत्रों का निरीक्षण/परीक्षण करते हुए सदैव कार्यशील रखेगे, तथा समय–समय पर मॉक ड्रिल करते रहेगे।
8. सभी अग्निशमन यंत्रों को कार्यशील दशा में रखने की जिम्मेदारी प्रधानाचार्य/प्रबन्धक की होगी। अतिरिक्त

10. प्रश्नगत भवन के विस्तार/अतिरिक्त निर्माण करने से पूर्व इस कार्यालय से मानचित्र अनुमोदित करवाकर मानको के अनुसार अतिरिक्त अग्निशमन व्यवस्था की जानी आवश्यक होगी।
11. आकस्मिक निरीक्षण के दौरान सुझाव के अनुरुप व्यवस्था नही पायी जाती है, यदि किसी प्रकार की लापरवाही/तकनीकी खराबी के कारण अग्नि दुघर्टना के समय अग्निशमन उपकरण कार्य नहीं करते है तो पूर्ण उत्तरदायित्व प्रधानाचार्य/प्रबन्धक का होगा तथा प्रदत्त प्रमाण पत्र स्वतः ही निरस्त माना जायेगा।
12. शैक्षणिक भवन में संचालित लैब (कैमेस्ट्री, कम्पयूटर आदि) में सी0ओ0टू0 फायर एक्सटिंग्यूशर का प्राविधान किया जाना आवश्यक है।
13. विद्युत स्विच बोर्ड/विद्युत पैनल के आस-पास किसी भी प्रकार की ज्वलनशील सामग्री का भण्डारण नही किया जाएगा, भण्डारण किये जाने पर यह प्रधानाचार्य/प्रबन्धक की लापरवाही मानी जाएगी तथा भविष्य में अग्नि दुघर्टना घटित होने पर बीमा दावे हेतु संस्तुति नही की जाएगी।

25/1/24

(वी0 बी0 यादव)
मुख्य अग्निशमन अधिकारी
देहरादून।